### **ॐ।**।वूर्-भी:यर:पर्केय:रेत.कूर्याय:जै.वायका।

### Tibetan Buddhist Resource Center

### Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W1KG10144	ImageGroup:	I1KG10146
LCCN:	77905302	ISBN:	n/a

Title:	र्नोद्द अर्केश क्षेत्र द्वार ग्रीकेंब क्षेत्र। dkon mchog spyi 'dus kyi chos skor/
Author:	्रह्वर्डें हुँद्
Descriptor:	reproduced from a rare manuscript from gemur (dge-smon) monastery in lahul by topden tshering
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	dolanji, h.p.
Publisher:	topden tshering
Date:	1977
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US. Comments: 7/2011

# DKON MCHOC STEE POUS RYL COOS SEOR 'JA'-TSEON-SÉM PO



## DKON MCHOG SPYI 'DUS KYI CHOS SKOR

Revelations of the Dkon mchog spyi 'dus cycle rediscovered by 'Ja-'tshon-snin-po Reproduced from a rare manuscript from Gemur (Dge-smon) Monastery in Lahul

by

Topden Tshering

New Delhi 1977 Published by Topden Tshering
Sole Distributors:
Tibetan Bonpo Monastic Centre
Dolanji, Village, P. O. Ochghat (via Solan), H. P.

Price: Rs. 300/-

### PREFACE

The Dkon mchog spyi 'dus cycle of revelations of the famed 'Ja'-tshon-snying-po is one of the most widely practiced systems of liturgico-contemplative teachings of the Tibetan Lamaist tradition.

The texts reproduced here are from the library of Gemur Monastery and reveal an arrangement that is very close to the Bhutanese and Khampa redactions.

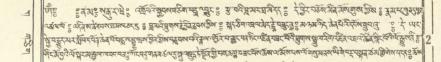
### CONTENTS

1.	Ka. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	1-11
	Gter ston gyi rnam thar nyung ngur bsdus pa.	
2.	Kha. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	13-25
	Yang zab nor bu'i lde mig.	
3.	Ga. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	27-35
	Padma'i zhal lung 'od 'phro.	
4.	Nga. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	37-41
	Lung bstan 'od kyi me long.	
5.	Ca. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	43-55
4	Yang zab le'u brgyad ma.	
6.	Cha. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	57-122
	Bka' 'grel ri rgyal lhun po.	
7.	Ja. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	123-15
	Bla ma'i rnam thar.	
8.	Nya, Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus kyi	159-173
	las byang.	
9.	Ta. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	175-191
	Dbang gi rim pa.	
10.	Ta. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :	193-199
	'Phrin las bzhi sgrub.	
11.	Da. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	201-212
	Drag po'i las byang.	
12.	Na. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	213-223
	Dbang drag 'bar ba'i las mtha'.	
13.	Pa. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	225-229
	Gter bsrung Seng gdong gi las mtha'.	
14.	Pha. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	231-239
	Yo ga gsum gyi sgrub thabs las: Ma hā yo ga'i bskyed rim.	
15.	Ba. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las:	241-263
	A nu yo ga'i rdzogs rim.	

16.	Ma. Bka' rdzogs pa Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las : Gtum mo bde drod 'od 'bar.	265-269
17.	Tsa. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las : 'Pho ba kar khung mda' 'phang.	271-275
18.	Tsha. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las :  Myang ban Ting 'dzin bzang po'i zhus lan.	277-327
19.	Dza. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las : 'Dzom yig nam mkha'i 'od klong.	329-3 33
20.	Wa. Yang zab Dkon mchog spyi 'dus kyi sbyin bsreg 'don khrigs su bkod na.	335-377
ADD	ENDICES	
21.	Yang zab bla sgrub Dkon mchog spyi 'dus kyi bsnyen sgrub dmigs rim byed tshul nyung bsdus tsam bkod pa rig 'dzin grub pa'i zhal lung man ngag bcud thig.	379-396
22.	Written by the 8th Rgyal-dbang 'Brug-chen Kun-gzigs-chos-kyi-snang-ba. Bka' rdzogs pa chen po Yang zab Dkon mchog spyi 'dus kyi cha lag Padma dbang drag 'bar ba'i 'phags pa zor gyi las mtha' hor sog glog spu gri: Gtor bzlog. Written by one Kun-bzang-rdo-rje at his hermitage of Dge-lung	397-443
23.	Lcags-phug 'Od-gsal-chos-gling. Yang zab Dkon mchog spyi 'dus las : Mnan pa'i man ngag mthar med dus kyis gugs pa : Sri mnan. Written by one Gar-dbang-rgya-mtsho at the behest of his disciple	445-483
24.	Padma-bstan-rgyal. (Bzlog 'gyur nyer bsdus): Sri mnan. The colophon names Grub-dbang O-rgyan-bstan-dar and Sman-sding-pa O-rgyan-rab-rgyas.	485-487

```
वगावःह्रेग्रायाकेवायान्यान्वायकेषाःश्चीत्र्यायान्यातेराःश्चित्रीः स्वायन्या
             विद्यान्य स्थापन्त्र मान्या
```

। मूल्या अवन्त्र्रिक्ष्वा हित्यका वार्त्र हुन् हुन् अस्तिर हिन वर्षेत्र राजवित



यार्वेशयारी बुद्धायारा वेगवुद्दे वान अद्दुर मक्त अस्ट ह त्याकु त्याकु वानित्यार्थे मुक्ति केन्द्र वार्ये असा वानित्यार्थे हु मार्थे

बद्दिक्षेत्रेच्यम्ब्र्यः तम्बरमान्यविद्दिस्तर्वया व्यवस्तर्भन्तिः मित्रम् निष्दास्य व्यवस्ति ।

हेत्रम्यानास्तिर्वेश्वेत्रम्यास्यम्यम् विष्याम्यदेशस्य देशक्षेत्रम् विष्यम् विष्यम् विषयः

व्यक्ष मम् नियार्ते हें मार्चिय में केंद्र में दे हैं में में केंद्र में दे हैं मार्चिय पद्मा प्रवेष मार्चिय में केंद्र में में मार्चिय मे त्रेक्ष्याम्याम्बर्दर्यव विकार् हेर एक्त क्रेम्या देन प्रमुख महत्त्र विकार दिवार विकार है देन प्रमुख पर दिवार में क्रिक्स के देवर प्रमुख

इत सैंचयां चर्च बार्ज्यक्रीर स्वयत्र क्रीयां सैंचे वा लाई बाह्य दिव स्वयत्त्र हैं दीय तस्य हिंद मैं जबहुर दर स्वाम से वा देव त्या हैं स्वयत्त्र स्वयत्त्य स्वयत्त्र स्

क्षित्रार इर तेर तु वेववन्त विव क्रूर केर क्षित विदेश कर्ष र विदेश विवास कार निवास कर विदेश

जिमायरिया मेर्यान्त्राम् अन्त्राम् अन्ति मेर्या मेर्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स



ृष्यायार्प्यत्रसनेभयरः इस्मिर् निर्देशेष्वसङ्ग्रेज्यान्तुसम्मा दर्शतित प्रमास्तर्भेनायाव्यापार्या वास्तरः रा तार तेवाच र्हुन्त पत्रिमार दिन यूर क्षेत्र है जैवाक क्ष्यें विज्ञ के विद्या है या विज्ञ का विवास की विवास की विवास 

मिस्यर्डित के नापार माके निर्दूर रामर्स्टियरादर है सुर्वे देशिए मा मार्टि सुवाकिन मुना मुना में वर्षे दे ने देश माने पर्दि पर्दि स्वीत मर्द्रा नियत श्री प्रदेश प्राप्त हें बहुत दूर अराम के महीर तम ना एन प्रमा से मार्थित तिया मार्थित प्रमा के प्रमा है मार्थित के मार्थित के प्रमा के प्रम के प्

5 समा ुर्माकर भुगालेरेनु सुर्मान्तर अभिवार अभिवारी स्वत्स्त्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स पट्तप्रवाहेन क्या अक्ट्वभक्षे जिया उक्त मार्च करा

विस्तुव न्युक्तनस्यवित्रिक्ताववार्यात्त्री याद्र्यति स्वत्येत् हे ह्यूनस्यव हेवार्ये वित्रविक्तव्यत्व त्यहे मेशार्युर्वा

WATER S

चित्रेष्यक्षाचित्रा ।

है जारा श्रे के हुंचे हैं अरहें के प्रामित हैं जा का देश हो है का किया ने किया के के का देश है के का के किया में वित्रवामें है अस पुनिस मियर पूर्वा मुर्टिस उन लागूर रिश है नेवा है स अन्त्र कि पूर्व स्वीत न में है विस्ति वूर् चित्रर तर तरे पर प्रमान के 

निकासरीयू है इत्तारकूणनर्वाच्यासे मध्येवान सर्वार लुप्नेब्यक्षाह्या हुन बूचे जूननर्वार वर्षीर खूब हैरतर है है जन एसे से से बावी का उपार हैर

क्षित्रस्था है विक्रियात्त्र सुम्बिद्धार्थात्त्र देव क्षेणपर्ता देवायत्त्राच्यात् क्षेत्र क्षे ट्रियकाम्यान्त्रक्षिक्षेत्रके विकालका क्षेत्रका प्रतिका मानिक मानि अक्ष्रको सुमास्त्र इम्मास्त्र कर्मा विद्याने स्वाति क्ष्रिय क्ष्या क्ष्रिय कर्मा विद्यान क्ष्या क्ष्

किस्याक्रियमान्त्र प्रत्याचे के कार्य के कार के कार के कर के वरे वरे वरे वरित के किस किस किस के विश्व के कार्य

इस्माव्याच्यानस्माद्यावद्यात्वर्त्यात्वर्त्यात्वर् इत्हावयम् वर्णात्वराव्यात्रर्भेत्रः द्वार्यस्माव्यात्वर्ता वित्र केनिकार्यामा मान्या केनिकार में मान्या केनिकार क रंगरी क्रान्यार के सर्वे कर द्वानित्र वेतानित्र वेतानित्र वेतानिक के वित्तान क्रिया हिस्स क्षिय के वित्तान क्षिय क्षय क्षिय क्षेय क् TR 

न्तर्यप्ति त्यानेमा क्षेत्रम वर भूम है वार अरूप्तियुर मेंद्र वार मेरे अर्थन से खार हुन महिता का से मिलाई रेट है ज्या उसे पूर्ण वह

विमाल्हिन पहर केंत्र सूर द्वार क

। द्राया द्राया

तरवरवारमध्यक्षात्रकार्यक्षेत्रं वर्ष्यक्षेत्रं द्वयहर्यात्रा । । वर्णवर्द्धवस्थात्रकार्यक्षेत्रवार्यक्षेत्रवार्

प्राप्त विशेष १ विश्वेष्टितार स्रितेष्त्र विभागता श्रीत्र सम्बन्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स् किल सेन्छ्रमावनविर न्रेन्छ्रमण्ये हुं इन्नेन् सर्देन्छ्र पर्य हैं मार्गर्रा छिन्सन ननर द्वानस्तासन्तरमा अन्यक्तिम्बर्गन्त्रन्त्वनन्त्रम्भा । अर्वेद्रित्त्वसम्बर्गन्त्रम् । १० विद्वस्य सार्वेद्रत्तिन्यक्रामः। स्तिन्यनवेत्त्वेननारश्चवक्षेत्रां स्त्राम् । सित्यम्ब्रुवभवद्धन् स्त्राम् स्त्राम् वत्वेत्त्रम् स्त्राम् वत्वेत्त्रम् स्त्राम् । स्त्राम् स्त्राम्

डिनारायि अर्धारायक केर्पाय स्टूड नेवर्सन्त्र स्ट्रिय वर्षवर्मा वर्षात्रवा प्राप्तव के वर्षात्रवर्ग वर्षात्रमाना प्राप्तव । व्याप्तवस्त्र के वर्षात्रमा वर्षात्रमा व वनायंत्रमा के अंग्रेस्य ताल्य मार्गाम्यमा के अस्ताल्य मार्गाम्यमा के स्वाल्य स्वालय स्व

नस्यानार्वनाः न्यार्यस्यानार्वित्तात्वाः नरत्नावर्यानास्यान्यस्य स्टिन् स्टिन् स्टिन् लिस हिन्द्र होता है ने विकास के किया है ने विकास के किया है ती किया है ती किया है किया है किया है किया है किया

त्यम्भीत्रा स्थान्य मेरियन् यहेन् किन् भर्षे स्थान्य वे द्विष्ट स्था स्वीत्र म्हान्य स्थान्य स्थान स्यान स्थान स्य 

चरस्य । व्यक्तिव्यक्तव्ये। दि. म. विपर्नेद्रम्य अवीत्रियम् मिन्नियम् विकास्त्रम् । व्यक्तियम् । व्यक्तियम् । विकास्तरम् । विकासस्तरम् । व ्रमापहेन्द्रम् कृत्त्रं त्याम्यरम् तम्यान्त्रत्त्र्त्रात्त्रात्त्र्यस्य विवास्त्रम् । यात्रात्त्रात्त्रात्त्र

वर्ततावनावतावर्तावर्वनमञ्जूना । अर्मवर्त्वनमञ्ज्ञान्यन्य मञ्ज्ञान्य मञ्ज्ञानिक वर्षान्य स्थिति ।

किमानक्षरभारति । मार्नेन मार्गिन मार्गिन वर्गा स्थापनिय वर्गाकिमानिया। स्थिता स्थापनिय वर्गापनिय वर्गानिया

८८ वर्षेत्र केरावनात्र भेर्र न्वेर के स्ट्रेंग्या इस्र विवाद समावस्थ्य है का स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय केर्य स्ट्रिय स् क्रमार्चिमात्र केर्तिक क्रमार्थन न्वित्वत्यास्य स्वाप्त्य स्वित्वत्य स्वाप्त्य स्वाप्त्र स्वाप्त्य स्वाप्

अर्तुत्वेयम्भानात्यः हेष्ट्रात्वायुन्वात्वन्यात्वन्यात्वन्यात्रः भरव्यस्तित्वन्यन्यन्यविवन्ः सस्वस्यान्नन्यान् विमञ्चाह करमास्मिह्ह मूरस्य । विश्ववस्थायक्षेत्र हेमल्चितायि सर्मायक्षरह न्यून्यायम् स्थितिय नितन्त्रिक वृत्ति स्वामान्यानिति न्यारि हर्त्वान्ययानित्विह अर्त्वयानिक्यान्ययानित्विह स्त्यायान्य

वर्षन्यास्त्रित्वास्त्रम् व्यवस्थात्रम् स्वात्रम् वर्षास्त्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् क्रित्वस्य अहराकुन्द्वर्वह रर्गव अक्रुवेश्वरवह र्वावर्वकृष्ठिरवह बताखरकर्य व्यवस्थित क्रुविर स्वामाताहव

त्यम् नम् हेर्निय्रत्याक्षेत्रमाक्षेत्रमाक्ष्रमान् कृतक्ष्मान्य नार्वे न्यादे न्यादे न्यादे निर्मार्वे निरम् निरम्वे निर्मार्वे निरम्वे निरम्वे निर्मार्वे निरम्वे नि

भूति । विश्व सेवनित्र वित्व स्वित्र वित्व स्वित्र स्वित् स्वत् स्वित् स्वत् स्वित् स्वत् स्वित् स्वत् स्वित् स्वत् के त्रावान्त्रवाद्यात्यात्रवाद्यात्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्यात्रवाद्यात्यात्रवाद्यात्यात्यात्रवाद्यात्यात्यात्यात्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्यात्यात्यात्यात्यात्रवाद्यात्य

निर्पर् नेरारविन है सेन रें में प्राचन विभाग के विमान में प्राचन प्राचन के विभाग में प ्रिमान्स्यान्याः कुमान्यस्य अन्यान्द्रः वास्यायस्य । वित्यावस्य वित्यावस्य वित्यावस्य । द्रभेत्वकरेत्वर भर छम हेम मेनवर केनेनवार वस्त्र क्षेत्रके हिन्द में द्रवद द्रायन दारे सुन्य वार्याते । स्रमाया सम्माय रैंडेन्त्रमा मनसङ्ग्रेक्यमहन्त्रमा विक्रियनम्हन्त्रम् स्वामानामविग्ना । सम्पर्णक्रमहेन्द्रमानामानास्य हैं सन्दर्व हे यान दे दे सुरान है ने ना छिन महे सह सह सह स्वत्र महारा दियान मान है से पर हैने छिन निया है

क्षा र्था १ ॥वेमा मार्वनायम् नार्वित्रियास्त्रा ।तम्कृतम् मिन्निर्मानिर्मानि । मान्यमानिर्मानिर्मानि विने नमा स्थाना । विविद्ध समार्थिमान ने विविद्ध विविद्ध विविद्ध निविद्ध स्थान । विविद्ध स्थान विविद्ध स्थान विविद्ध स्थान स्था विश्वित्तर्भित्तर्भित्तः अववयात्त्रितः भ्रम् । अवत्रविक्तः वित्वत्वः । वित्तत्त्वः । वित्तत्त्तः । वित्तत्त्वः । वित्तत्तः । वित्तत्त्वः । वित्तत्त्तत्त्वः । वित्तत्त्वः । वित्तत्त्वः । वित्तत्त्वः । वित्तत्त्वः । वित्तत्तत्तः । वित्तत्तत्तः । वित्तत्तत्तत्त्वः । वित्तत्तत्तत्तत्तः । वित्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तः

480

वर्षः विरम्युम्सायम् त्रम्युष्ट् न्यर्मा स्राम्यास्य स्रम्यानाः नम्बन्याम्य स्त्रम्यानिस् सम्मायात्रे । स्त्रम्

निर्देशको दिह र्यार्रात्वर्यकार्दे स्वयात्वर्यात्वर निर्देशकार्यकार्यात्वर्यात्र्वर्यात्र्वर्यात्र्वर्यात्र्वर विद्यानार्युत्रको स्वर्धात्वर्यक्रमार्दे स्वयात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्र्यस्वर्यात्रम्

११० कि । विन्तुमार्स् विम्तुर्स् कर्षिक्षित् कर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य प्रमान स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वरत्य स्वरत्य स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक स्वरत्य स्वर्णक क्षि ह्यानीयासे वायर्थायार अर् तर अहूर है विवायर्रे याता तम्यू अर्दिश्वात क्रिरेंड मूनवही रिवायम्या हिंच या से हिंच या वि दिविवसावस्य विद्यान्त्रिय । विद्यान्त्रिय । विश्व यद्वा केद्रवस्य केद्रवस्य दिवे सुः स्वम्यका । देवायि र नवार अर्थका म् निर्मिन् छूँनाई नष्ट्रम्यहूँ या नु ह स्वायका । अहर्र ह्व नेन श्रीत दुर स्वयम् अहर्र हो। । श्रीति हु के स्वयम् । । है हिरस्य सून

विन्दं मह्त्रह न मेनल स्राव्यान त्यावी विमें देवरवर पर्य क्रियर पर्यावर प्राप्त वर्ग दिमेनलहे तर हितरे पाय्य हैया पर्

श्रिश्च-१ दानिर्देश स्तिन् । प्रें हे नपार्देश विस्तित्य पर यहरी तिम्मण्यान नर सवन स्मायहर्ति। मिहर विरायस्वयामा अक्षरः । हिं क्षयान्यम्यात्रा । दुः क्षरमार्अपरितं क्षेरमार्अपहिमान्वतः सम्मानमा । परकर्वेर्यरयहुर्यर्वः हुं हुं है त्य

यन्याय वित् त्रा होत् वित्व केव दर्व सुय त्र स्पर्य स्पर्य है कि विता हिल सक्ष्र पहेंद्र पर्वत यहे सब्न वित्व विता

र्भे हुस्यावन हे हुस्यावन हे वियायियर यहूरी नियम् यही छिर सर्दे नियमित रेविया सहित्य है स्वायन विवास 482

किव में राय में राय में वाह वाह यह यह पहेंदी विष्टु रोगवलके त्या गरी छिते दे यह है के यह है कर यह रोगल के के त्या गराहर

ार्वायर्ययो वा स्वायाय बिर्वाय के विकास यदियामकी अवता । अवत्याम श्रेट येन द्वरपति नूंब की देन। वित्र से न्यानिव तु से असा

483

स्ति । अन्य प्रश्निक्ष के प्रश्निक विश्व विश्व



क्षि कृति । विक्वार्किन्त्रेनक्ष्यानविक्ताव्यक्षेत्र विक्तानक्षेत्र विक्तानक्षेत्र विक्तानक्ष्य विक्तानक्ष्य विक्रानक्ष्य विक्रानक्षय विक्रानक्षय विक्रानक्षय विक्रानक्ष्य विक त्यान्तर वात् त्राप्तान्त्र वर्षेत्र स्वायमेर्वेन ह्यावर्षेत्र स्वत्वायम्यत्त्र वेत्वयेत्यायास्य स्वत्वयम् क्र त्रमाहित्यन सुनाहोहित्र सर्वे त्रातित्वत्र हित्यहैत्र हमकामनहेत्यहैत्र त्रुवाय वर्षे नित्र हित्यहैत्र स्व वरकत्वतित्वहैत्र स्वार्वे त्रामें त्रिक्तित्वहैत्र हमकामनेत्वहैत्र हैन्स्य स्वत्ववाय हित्यहैत्र स्वत्ववाय हित्यहैत् भू वैद्रः त्रावनविद्द्रन्त्रेन्वित्रमध्येत्रः वर्षत्वाधेन्द्रमध्येत्रः तर्वेतिद्वादित्। वर्षत् । वर्षत् वर्षत् । भ वर्षत् वर्षत् वर्षत्वाधित्रमध्येत्रः अद्वर्षत् वर्षत् वर्षत् । वर्षत् वर्षत् । वर्षत् वर्षत् ।

निपार् सेर्न हैर्× हे बर्धार्य स्वेर्स्ट्र स्वेर्धार सेर्प महाम अर्चे से महामाना सेर्प से अर्ब से स्वेर्ट्य मह पर वर्ष भावादियः महीर वर्षे अविह सः म्योगविहसः वर्षेम् विस्तर मिनवरास्य विवेपास्यासः सेनवहरः

निम्हित्यवन्त्रात्ता स्त्रात्त्रम् स्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रात्त्रम् स्त्रम् चित्राति व्राम्मी । नस्वत्वति स्थानि अभिनासुंग । नाव्यम् स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि । नियानि स्थानि स्थान

कुट्यक्रियर्य केथक्रिश्चित्रम्य प्रस्कानुनेयायक्त्यास्य क्ष्यास्य क्ष्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व



